वाइल्डलाइफ फिल्म फेस्ट 6 से

सिल्वर स्क्रीन पर ग्रीन फिल्मों का नजारा

नैशनल साइंस सेंटर में बच्चों को 50 देश-विदेश की फिल्में दिखाई जाएंगी

कात्यायनी उप्रेती ‖ नई दिल्ली

अपनी दुनिया से प्यार है और उसके लिए हरी-भरी ख्वाहिशें रखते हैं, तो वाइल्डलाइफ फिल्म फेस्ट में आपका स्वागत है। 6 दिसंबर से आपको अपने ही शहर में देश-विदेश की सौ ग्रीन फिल्में देखने का मौका मिलेगा। इस पांच दिन के छठे एनवायरनमेंट और वाइल्डलाइफ फिल्म फेस्ट में 12 देशों की फिल्में तो सिल्वर स्क्रीन पर उतरेंगी ही, साथ ही नामी इंटरनैशनल फिल्म मेकर्स, पर्यावरणविद से भी बातचीत करने का मौका आपके पास होगा। फेस्ट की खासियत होगी बच्चों के लिए एक अलग मंच, जहां वे अपने मूड की वाइल्डलाइफ फिल्मों का मजा ले सकते हैं। दुनिया की खूबसूरती के लिए उनके पास आइडिया हैं, तो उन्हें सुनने वाले भी यहां मिलेंगे।

दिल्ली-एनसीआर के 70 स्कूल के बच्चे शामिल होंगे

सीएमएस वातावरण फिल्म फेस्ट बायोडायवर्सिटी कंजर्वेशन थीम के साथ चलेगा और इसमें 100 फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी। ये अलग-अलग थीम को कवर करेंगी, जैसे बायोडायवर्सिटी, मौसम में बदलाव, पानी। भारतीय फिल्मों में सबसे ज्यादा 21 मूवी दिल्ली से हैं। इसके बाद केरल से 8, महाराष्ट्र से 6 और कर्नाटक से 4 फिल्में शामिल हुई हैं।

इंटरनैशनल सेक्शन में अमेरिका से 5, जर्मनी और जापान से तीन-तीन फिल्में हैं। फ्रांस, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूके और पाकिस्तान से एक-एक फिल्में दर्शकों के बीच उतरेंगी। फेस्ट डायरेक्टर अल्का तोमर कहती हैं, यह भारत का अलग तरह का फेस्ट है, मकसद है नेचर को बचाना। हमने ऐसी फिल्मों को भी चुना है, जिन्हें दुनिया के नामी फिल्म फेस्टिवल्स में अवॉर्ड मिला है। ये मुश्किल से ही आम पब्लिक को देखने को मिलती हैं इसलिए हम एशियन फिल्ममेकर्स समिट भी कर रहे हैं, ताकि ऐसी नायाब फिल्मों को मार्केट मिल सके।

नामी संरक्षणकर्ता और 'पंथारा' के वाइस प्रेजिडेंट डॉ. जॉर्ज स्कैलर, वाइल्डलाइफ बायलॉजिस्ट डॉ. ए. जे. टी. जॉनसिंग, फिल्म डायरेक्टर बासु चटर्जी, फिल्ममेकर श्याम बेनेगल और प्रकाश झा, नेचर कंजर्वेशन फिल्म्स के जनरल मैनेजर एवर्ट वैन डे बोस, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड इंडिया के सीईओ रवि सिंह, बीबीसी नेचुरल हिस्ट्री यूनिट के रिसर्चर थियो वेब फेस्ट में वाइल्डलाइफ और एनवायरनमेंट की कई राज आपके बीच खोलेंगे। जंतर मंतर के पास कन्वेंशन सेंटर में होने वाले इस फेस्ट में एंट्री फ्री है।

बच्चों के नाम : बच्चों को ग्रीन हीरो बनाने के मकसद से फेस्ट ने उन्हें अलग जगह दी है। नैशनल साइंस सेंटर में देश-विदेश की 50 फिल्में उनके नाम की जाएंगी, जिनमें कई ऐनिमेशन हैं। सेंटर के अंदर ही नहीं, नेचर के बीच भी उनके लिए रोमांच होंगे। फेस्ट की फाउंडर अल्का बताती हैं, हमने करीब दो हजार सरकारी और कॉन्वेंट स्कूलों और एनजीओ के जरिए गरीब बच्चों को आमंत्रित किया गया और हमें छह हजार बच्चे मिले। 6 से 10 दिसंबर तक होने वाले इस फेस्ट में फिल्मों का मजा बच्चे अपने पैरंट्स के साथ फ्री एंट्री के साथले सकते हैं।